VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1525)

Name of Candidate	RAVINDRA KUMAR		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	317130
Center	MUKHERJEE NAGAR	Date	20/12/2020

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोडा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Be

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Administration discretion can be a blessing if used correctly, however its misuse can prove to be a curse. Discuss with examples. (150 words) 10

यदि प्रशासकीय विवेक सही तरीके से उपयोग किया जाए तो यह एक वरदान हो सकता है, हालांकि इसका दुरुपयोग अभिशाप सिद्ध हो सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

प्रशासकीय विवेक किसी प्रशासक का वह गुण है जो प्रशासक को विधिक शक्ति व अधिकारो से इत्तर अन्तआत्मा व तर्क के आधार पर निर्णय निर्माण के लिये प्रेरित करता है.

प्रशासकीय विवेक एक वरदान के रूप मे

① प्रशासकीय विवेक किसी प्रशासक को नैतिक संघर्ष व विधिक मुद्दो की स्थिति मे निर्णय निर्माण के लिये प्रेरित करता है.

eg. कोविड-19 महामारी मे CSR फण्ड का उपयोग

② यह कानून की अनुपस्थिति मे नैतिक निर्णय लेने के लिये प्रेरित करता है.

③ कानून के यथार्थ उद्देश्य की प्राप्ति में संवेदनशील व सांस्कृतिक तत्वो के प्रयोग को बढ़ावा देता है।

eg. मनरेगा के क्रियान्वयन मंजू राजपाल कार्यक्रम।

④ प्रशासकीय विवेक के सही उपयोग सुशासन, पारदर्शिता व जवाबदेहिता को स्थापित करता है।

विवेक + जवाबदेही + पारदर्शिता = सुशासन
सही तरीका ... बढ़ावा

eg. अशोक खेमका, TN शेषन

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

प्रशासकीय विवेक का दुरुपयोग एक अभिशाप

1. प्रशासकीय विवेक का दुरुपयोग भ्रष्टाचार व अपराधीकरण को बढ़ावा देता है.
   eg. 2G घोटाला
2. प्रशासकीय विवेक का दुरुपयोग शक्तियो के केन्द्रीकरण को बढ़ावा देता है और लोकतंत्र की मूल भावना के विरु को नुकसान पहुँचाता है.
3. यह प्रशासन मे एकाधिकार को बढ़ावा देकर प्रतिस्पर्धा को कम करता है.
4. नागरिक केन्द्रित प्रशासन व नागरिक भागीदारी की उपेक्षा करता है.

प्रशासकीय विवेक – जवाबदेही = भ्रष्टाचार / तानाशाही

eg. हिटलर.

इस तरह प्रशासकीय विवेक का मूल्यांकन अच्छे व बुरे दोनो का मिश्रण है. लेकिन प्रशासन मे बढ़ती जटिलताओ मे इसकी उपेक्षा नही की जा सकती है अतः इसके सही उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिये

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) There is a view that corrupt practices have been socially accepted in India. How can this 'acceptance' be shifted to 'rejection' towards corruption?
(150 words) 10

प्रायः यह मत व्यक्त किया जाता है कि भारत में भ्रष्ट प्रथाओं को सामाजिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है। भ्रष्टाचार के प्रति इस 'स्वीकृति' को 'अस्वीकृति' में कैसे परिवर्तित किया जा सकता है?

भ्रष्ट प्रथाओ से तात्पर्य शासन के विभिन्न सोपानो पर गैर कानूनी प्रक्रियाओ व तरीको का उपयोग करने वाली प्रथाओ से है. भारत में इन भ्रष्ट प्रथाओ के प्रति सामाजिक रूप से स्वीकार्यता बढ़ी है.
eg. भ्रष्टाचार का संस्थानिकरण
हाल ही मे जारी ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के करप्शन परसेप्शन सूचकांक मे भारत का ~~दय~~ दयनीय प्रदर्शन इस स्वीकृति को अस्वीकृति मे परिवर्तित करने आवश्यकता पर जोर देता है

भ्रष्टाचार के प्रति स्वीकृति को अस्वीकृति मे परिवर्तन

(i) पारिवारिक स्तर पर

① परिवार में भ्रष्टाचार को एक बुराई के रूप मे देखा जाना चाहिये।

② ईमानदारी व सत्यनिष्ठा की नैतिक शिक्षा की कहानियां (श्रवण अधिगम)

(ii) सामाजिक स्तर पर

① समाज में भ्रष्ट प्रथाओ के प्रति तीव्र व कड़ी आलोचना।

② भ्रष्टाचार मे लिप्त लोगो का सामाजिक बहिष्करण (अवलोकन अधिगम)

(iii) स्कूली स्तर पर

(i) भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों की शिक्षा।

(ii) महान पुरुषों की कहानियों से ईमानदारी की शिक्षा।

(iii) भ्रष्टाचार पर सरकार की कड़ी कार्यवाही की सूचना बार-2 विद्यार्थियों पढ़ाई जानी चाहिये। (क्लासिकल अधिगम)

(iv) शासन के स्तर

(i) कानूनों के माध्यम से समाज में प्रतिरोधकता।

(ii) कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन व भ्रष्टाचार मामलों में उच्च दोष सिद्धि दर के माध्यम

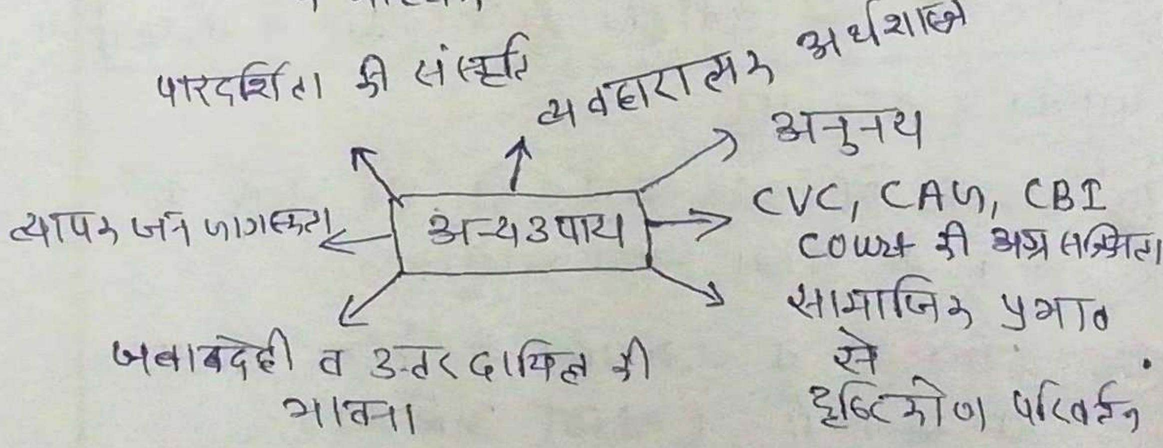

इस प्रकार भ्रष्टाचार की अस्वीकार्यता हेतु बहुस्तरीय व बहुआयामी रणनीति को अपनाया जाना चाहिये। प्रशासन में ईमानदार व्यक्तियों को एक रोल मॉडल के रूप में स्थापित करना चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) Ethical business practices are key for long-term survival of a company. Comment. (150 words) 10

किसी कम्पनी के दीर्घकालिक अस्तित्व के लिए व्यावसायिक नैतिकता महत्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए।

व्यावसायिक नैतिकता उन मूल्यों का समुच्चय है जो विभिन्न व्यावसायिक संगठनों, प्रक्रियाओं में नैतिक बने रहने के लिये व्यवहार को निर्देशित करते है।

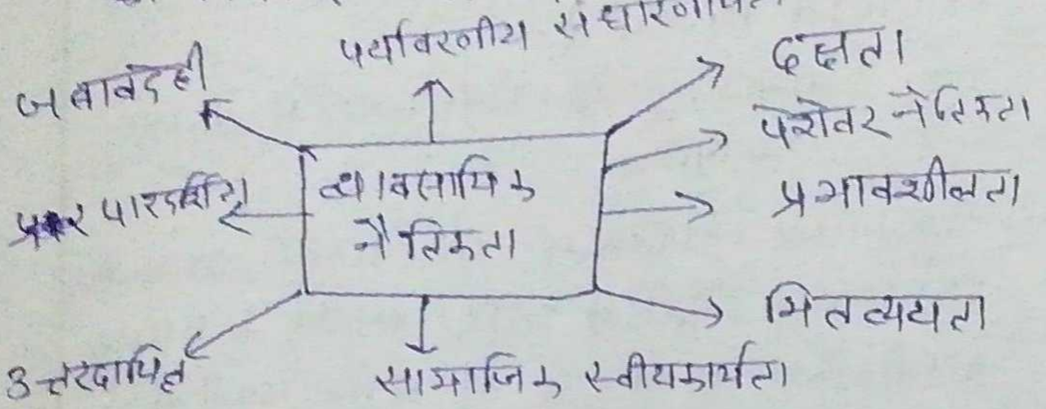

कम्पनी के दीर्घकालिक अस्तित्व हेतु व्यावसायिक नैतिकता का महत्व

1. व्यावसायिक नैतिकता कंपनी के नैतिक तुलन पत्र को सुधारेगी है और कम्पनी की ब्रांड वैल्यू को बढ़ायेगी।
   eg. टाटा समूह द्वारा जमशेदपुर में वेलनेस व जमशेदपुर मे टाटा समूह की ब्रांडवैल्यू

2. व्यावसायिक नैतिकता आर्थिक नैतिक मूल्य दक्षता, प्रभावशीलता व मितव्ययता से कंपनी के आर्थिक तुलन पत्र को बेहतर बनायेगी।
   eg. किंगफिशर की समस्या।

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ व्यावसायिक नैतिकता का पालन कंपनी की लोगो में स्वीकार्यता बढ़ाती है और दीर्घकालिक स्थायित्व प्रदान करती है.

eg. विप्रो का सामाजिक प्रभाव

④ व्यावसायिक नैतिकता के अभाव में कंपनी की परियोजनाओं के विरुद्ध आंदोलन को बढ़ावा मिलता है.

eg. तमिलनाडु मे कॉपर प्लांट मे वेदान्ता का विरोध.

⑤ व्यावसायिक नैतिकता पर्यावरणीय संधारणीयता को बढ़ावा देती है और समाज के साथ-2 कंपनी के सतत विकास को बनाए रखती है

eg. सामाजिक वानिकी मे मिलिंडा व गेट्स फाउंडेशन

⑥ सामाजिक मूल्यों को ध्यान मे रखकर व्यावसायिक उद्देश्यों की प्राप्ति कंपनी की सामाजिक स्वीकार्यता भी बढ़ाती है

eg. कोविड-19 इन्फोसिस की CSR गतिविधियां

स्पष्टतः व्यावसायिक नैतिकता का पालन किसी कंपनी की दीर्घकालिक स्थायित्व की प्राप्ति हेतु आवश्यक है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) Law succeeds in encouraging ethical behaviour in a society only when it is backed by conscience of its individuals. Discuss. (150 words) 10

किसी समाज में नैतिक व्यवहार को प्रोत्साहित करने में क़ानून केवल तभी सफल होता है जब इसे समाज के लोगों के अंतःकरण द्वारा समर्थन प्राप्त हो। चर्चा कीजिए।

नैतिक व्यवहार किसी व्यक्ति के व्यवहार में नैतिक मूल्यों के पालन की अवस्था है वही बाध्यकारी मूल्यों का समूह, जो किसी व्यवस्था के संचालन के लिये आवश्यक हो, कानून कहलाता है।

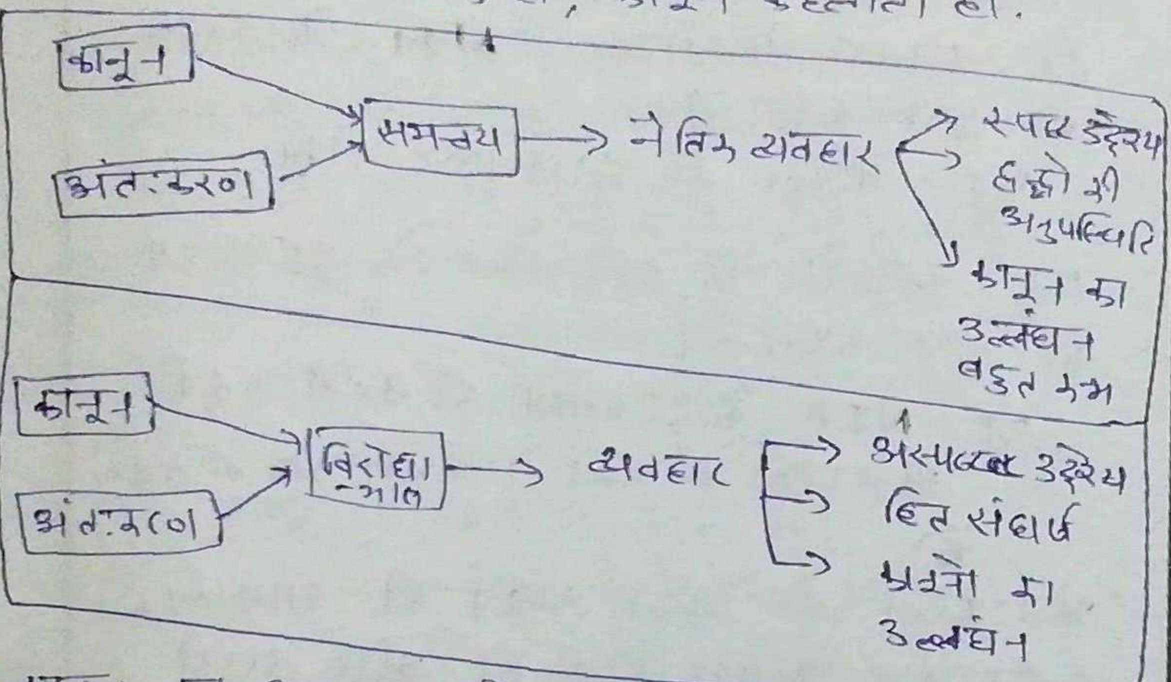

कानून का अन्तःकरण से विरोधाभास व नैतिक व्यवहार

① जब किसी व्यक्ति के अन्तःकरण व कानून में असंगतता होगी तो गतिरोध की स्थिति उत्पन्न होगी।

② हित संघर्ष व नैतिक दुविधा उत्पन्न होगी।

③ अंतःकरण के अभाव कानून मानात्मक रूप से शुरू होता है

④ कानून के क्रियान्वयन में प्रशासनिक उत्साह में कमी

कानून को अन्तःकरण से समर्थन व नैतिक व्यवहार

① कानून के अन्तरात्मा से प्रेरित होने पर

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कानूनो के आत्मसातीकरण को बढ़ावा मिलता है जिससे कानून का उल्लंघन नही होगा।

② अन्तःकरण से प्रेरित कानून स्पष्टता को बढ़ावा देता है और हित संघर्षों को कम करता है।

③ अंतःकरण से प्रेरित कानून वस्तुनिष्ठता को करूणा से जोड़कर कानून के उद्देश्य को पूर्ण करता है।
eg. केरल की ट्रांसजेण्डर नीति

④ यह कानूनो के लूप होल के दुरूपयोग को कम करता है।
eg. NIA के दुरूपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति अंतःकरण व कानून मे विरोधाभास का कारण है।

⑤ अंतःकरण से प्रेरित कानून की सामाजिक स्वीकार्यता अधिक होती है और उसकी सफलता की प्रायिकता बढ़ जाती है।
eg. मनरेगा।

⑥ यह व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन मे एकरूपता को जन्म देती है जिससे सत्यनिष्ठा की स्थापना होगी और शासन मे शुचिता आयेगी।

इस तरह गांधी के कथनानुसार कानून को अन्तःकरण से प्रेरित होना चाहिये क्योंकि अन्तःकरण से प्रेरित कानून ही सार्वभौमिक मूल्यो का पोषक होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:
निम्नलिखित उद्धरण नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के हैं। स्पष्ट कीजिए कि वर्तमान संदर्भ में आपके लिए इनका क्या अर्थ है:

(a) Our lives begin to end the day we become silent about things that matter. Martin Luther King Jr. (150 words) 10
हमारे जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते हैं। मार्टिन लूथर किंग जूनियर

मार्टिन लूथर किंग का उक्त कथन किसी व्यक्ति से उसके हित के मुद्दो पर प्रखर होकर अपनी बात रखने को प्रोत्साहित करते है. इनके अनुसार इसके अभाव में व्यक्ति का जीवन मृत प्राय: हो जाता है.

वर्तमान संदर्भ मे मेरे लिये इसका अर्थ

① मार्टिन लूथर का यह कथन सामाजिक कल्याण योजनाओ मे नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है.
eg. नागरिक भागीदारी के अभाव डिजिटल इंडिया की सफलता संभव नही है
② यह मूल अधिकारो के उद्देश्य के रूप मे है
③ यह कथन नीति निर्माण, क्रियान्वयन व मूल्यांकन में लाभार्थी के हितो को समाहित कर द्विदिशीय संचार स्थापित करने की प्रोन्नति करता है.
eg. नागरिक समाज की सरकार मे भागीदारी
④ वर्तमान मे जनता की भागीदारी व उत्साह की कमी से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है. यह कथन इसको पूर्णत: चरितार्थ करता है.

(5) यह अपने हितो की पूर्ति हेतु सरकार पर दबाव बनाने हेतु प्रेरित करता है अन्यथा सरकार में निरंकुशता बढ़ेगी और लोकतंत्र की मूल भावना का अंत होगा।
eg. विभिन्न दबाव समूहो की उपस्थिति।

(6) यह बहुसंख्यक आबादी द्वारा अल्पसंख्यको के शोषण को रोकने हेतु अपने अधिकारो के लिये आवाज उठाने को प्रेरित करता है.

(7) वर्तमान मे नारीवादी आंदोलनो की बढ़ती प्रवृति को भी इसी भाव मे देखा जा सकता है
eg. मी टू अभियान

(8) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अविकसित व विकासशील देशो द्वारा जलवायु परिवर्तन के लिये अपने हितो को बचाने हेतु विकसित देशो की जवाबदेही तय करना। इसी कथन के आलोक मे सार्थक दिखाई पड़ता है।
eg. पेरिस जलवायु समझौता।

स्पष्टत: मार्टिन लूथर का कथन वर्तमान मे भी प्रासंगिक है जो शोषित को अपने अधिकारों के लिये लड़ने व आवाज उठाने के लिये प्रेरित करता है.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) In law a man is guilty when he violates the rights of others. In ethics he is guilty if he only thinks of doing so. Immanuel Kant (150 words) 10

क़ानून की नजर में कोई व्यक्ति तब दोषी है जब वह दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन करता है। नीतिशास्त्र के अनुसार, वह तब भी दोषी है जब वह ऐसा करने के बारे में सोचता है। इमैनुअल कांट

इमैनुएल कांट का यह कथन नीतिशास्त्र व कानून के मध्य अंतर स्पष्ट करते हुये बताता है कि कानून का उल्लंघन व्यक्ति के व्यवहार से होता है वही नीतिशास्त्र मे नैतिकता का उल्लंघन भावना से भी हो सकता है.

वर्तमान संदर्भ मे मेरे लिये इसका अर्थ

1. वर्तमान संदर्भ में यह कथन कानूनो पर विचार करते हुये नैतिकता को अधिक महत्व देता है. क्योंकि कानून अपराध के बाद शमन रणनीति है वही नैतिकता अपराध के रोकथाम की रणनीति है.

2. वर्तमान समाज मे जहाँ प्रौद्योगिकी मे तीव्र परिवर्तन हो रहा है वहाँ अपराधो मे अनामिकता की स्थिति है ऐसी स्थिति मे अपराधी को सजा दिलाना कठिन है अतः अपराध की भावना को समाप्त करने के लिये नीतिशास्त्र को अपनाया जाना चाहिये

3. वर्तमान चरम पंथ, वामपंथ, कट्टरवाद आतंकवाद में भावना के अधिक प्रबल होने पर कानून भी अपराध करने से नही रोक पाता है अतः नीतिशास्त्र ही

Don't write anything in margin

ऐसी परिस्थितियों में अग्रवाद को रोक सकता है।

4. वर्तमान सोशल मीडिया, के युग में फेक-न्यूज, डीप फेक जैसी प्रवृत्तियों को कानून के माध्यम से नियंत्रित करने के बजाय ऐसे अपराध की दुर्भावना को समाप्त किया जाना चाहिये।

5. वर्तमान मे समाज मे बढ़ती धार्मिक कट्टरता, अराजकता, मॉबलिंचिंग जैसी स्थितियों में कानून की बजाय नीतिशास्त्र पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिये।

6. वर्तमान में कानूनो की सीमित दायरा व नैतिक पतन की प्रवृत्ति के संदर्भ मे कानूनो पर नैतिकता की श्रेष्ठता आरोपित करनी चाहिये।

स्पष्टतः वर्तमान संदर्भ में कानून के अपराध शमन के बजाय नीतिशास्त्र के अपराध उद्गम की भावना की रोकथाम के लिये नैतिक मूल्यो को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) What do you understand by Social Intelligence? Discuss its relation with the Emotional Intelligence of an individual. (150 words) 10

सामाजिक बुद्धिमत्ता से आप क्या समझते हैं? किसी व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ इसके संबंध पर चर्चा कीजिए।

सामाजिक बुद्धिमता किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का वह आयाम है जिसमे व्यक्ति सामाजिक मूल्यों, भावनाओ तथा संबंधो का सकारात्मक प्रबंधन करने में सक्षम होता है. डेनियल गोलमैन के अनुसार सामाजिक बुद्धिमता भावनात्मक बुद्धिमता की पूर्वापेक्षा है.

भावनात्मक बुद्धिमता व्यक्ति की अपनी भावनाओ व दूसरो की भावनाओ की उचित प्रबंधन की स्थिति है.

भावनात्मक बुद्धिमता = अन्तः वैयक्तिक बुद्धिमता + सामाजिक बुद्धिमता

सामाजिक बुद्धिमता का भावनात्मक बुद्धिमता से संबंध

① सामाजिक बुद्धिमता भावनात्मक बुद्धिमता का पूर्ववर्ती चरण है जिसमे व्यक्ति समूह की भावनाओ व सामाजिक मूल्यो के प्रति समझ रखता है.

② सेलोवी व मेयर के अनुसार सामाजिक बुद्धिमता सामाजिक संबंधो में भावनात्मक निवेश की स्थिति है और भावनात्मक निवेश भावनात्मक बुद्धिमता का आवश्यक गुण है.

③ भावनात्मक बुद्धिमता का एक प्रमुख तत्व सामाजिक कौशल है। और सामाजिक बुद्धिमता इसी कौशल के उत्प्रेरक के रूप मे है (डेनियल गोलमैन)

eg. स्वच्छ भारत अभियान मे EI का प्रयोग।

④ भावनात्मक EI लोगो की भावनाओ को संगठन के उद्देश्यो से संरेखित करती है। और सामाजिक बुद्धिमता संगठन के उद्देश्यो का निर्धारण करती है

eg. व्यावहारिक अर्थशास्त्र

⑤ सामाजिक बुद्धिमता लोगों को प्रेरित करने का कौशल है और स्वप्रेरणा के साथ-2 दूसरो को प्रेरित करना EI का एक महत्वपूर्ण आयाम है।

eg. टीम भावना मे EI का उपयोग।

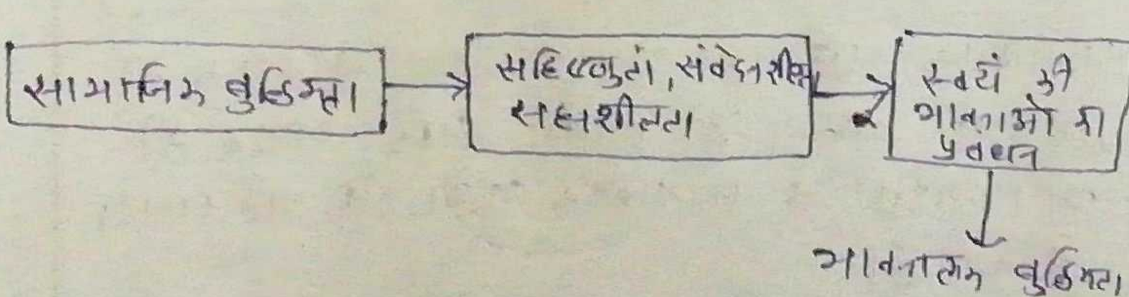

स्पष्टतः सामाजिक बुद्धिमता व भावनात्मक बुद्धिमता दोनो अन्तर्सम्बन्धित अवधारणाये है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) While code of conduct presents a structure to organized values, code of ethics gives a foundation to that structure. Examine. (150 words) 10

जहाँ आचरण संहिता संगठित मूल्यों के लिए एक संरचना प्रस्तुत करती है, वहीं नीतिपरक आचार संहिता उस संरचना को एक आधार प्रदान करती है। परीक्षण कीजिए।

नीतिपरक आचार संहिता नैतिक मूल्यों का एक ऐसा समुच्चय है जो किसी व्यक्ति के व्यवहार को नैतिकता प्रदान करते है वही आचारसंहिता कानूनरूप से बाध्य मूल्यो का ऐसा समुच्चय है जो किसी व्यवस्था के सुचारु संचलन के लिये आवश्यक हो.

उदाहरण के तौर पर विश्नोई समाज के 29 सिद्धान्त नीतिपरक आचार संहिता है वही CCC कंडक्ट रूल 1964 आचार संहिता है

आचरण संहिता संगठित मूल्यो की एक संरचना

(1) किसी भी संगठन में अलग-2 पृष्ठभूमि के व्यक्ति होते है जिनकी नैतिकता अलग-2 हो सकती है ऐसी स्थिति मे संगठन के सुचारु संचालन हेतु आवश्यक प्रकृति के मूल्यो को बाध्यकारी बनाया जाना आवश्यक है

(2) यह संगठित मूल्य व्यवस्था के सुचारु संचालन के लिये आवश्यक है.

(3) यह किसी नकारात्मक प्रकृति के व्यवहार को निषेध करता है और संगठन के कार्य संस्कृति में सुधार करता है.

नीति परक आचार संहिता आचार संहिता की संरचना का आधार

① आचार संहिता नीति परक आचार संहिता का उपसमूह है.

② आचार संहिता को बाध्यकारी नीति परक संहिता के रूप में वर्णित किया जा सकता है,

③ आचार संहिता किसी विशेष व्यवहार को नियंत्रित करने हेतु चुना गया विशिष्ट मूल्य होता है.
eg. विशाखा दिशानिर्देश

④ बिना नीति परक संहिता के आचार संहिता की संरचना संभव नहीं है
eg. ईमानदारी ⟶ भ्रष्टाचार नहीं लेना
नीति परक आचार संहिता ↓
CCS 1964 आचार संहिता,

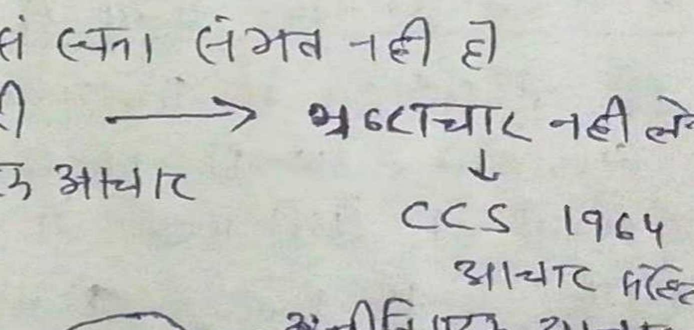

स्पष्टतः नीति परक आचरण संहिता, आचरण संहिता की संरचना को एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है.

5. (a) According to Buddhism, for a man to be perfect there are two qualities that he should develop equally: compassion (karuna) on one side, and wisdom (panna) on the other. Analyse. (150 words) 10

बौद्ध धर्म के अनुसार, एक व्यक्ति के पूर्ण होने के लिए उसे स्वयं में दो गुणों को समान रूप से विकसित करना चाहिए: एक करुणा और दूसरा प्रज्ञा। विश्लेषण कीजिए।

करुणा किसी व्यक्ति का वह भाव है जिसमे वह समानुभूतिक स्थिति में व्यवहार करता है वही प्रज्ञा सूचनाओं और ज्ञान के उपयोग की सक्षमता की स्थिति है.

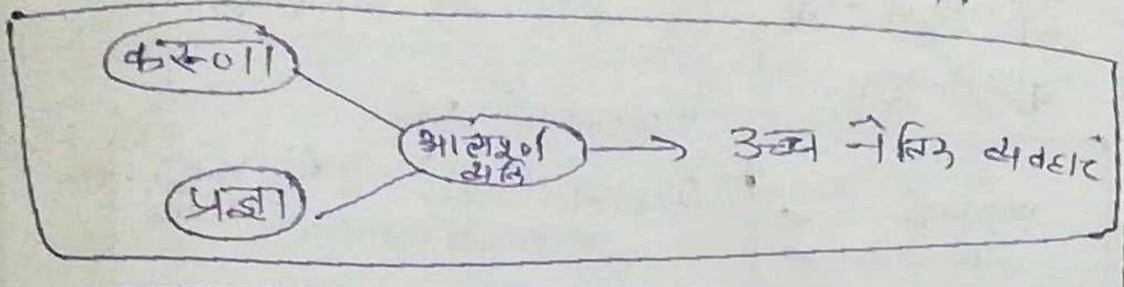

व्यक्ति की पूर्णता मे करुणा व प्रज्ञा का महत्व

① करुणा जहां व्यक्ति को समानुभूतिक होकर दूसरो की समस्या के समाधान की ओर ले जाती है वही प्रज्ञा इस समस्या के समाधान के लिये तार्किकता लाती है.

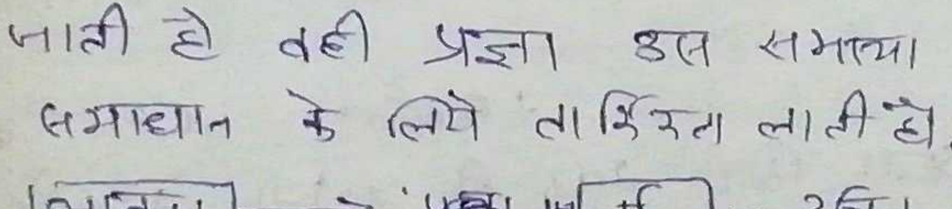

② करुणा व प्रज्ञा व्यक्ति को तार्किकता व भावनात्मक के मध्य संतुलन की ओर ले जाता है जो वस्तुनिष्ठता व समानुभूति की एकरूपता की स्थिति है.

③ करुणा जहां संवेदनशील बनाती है वहीं प्रज्ञा संवेदनशीलता का समालोचक प्रबंधन करती है।
eg. SC/ST Act करुणा व प्रज्ञा का समन्वय है

④ करुणा व प्रज्ञा व्यक्ति को पूर्णता की ओर ले जाती है जो व्यक्ति को आदर्श के रूप मे स्थापित करती है।

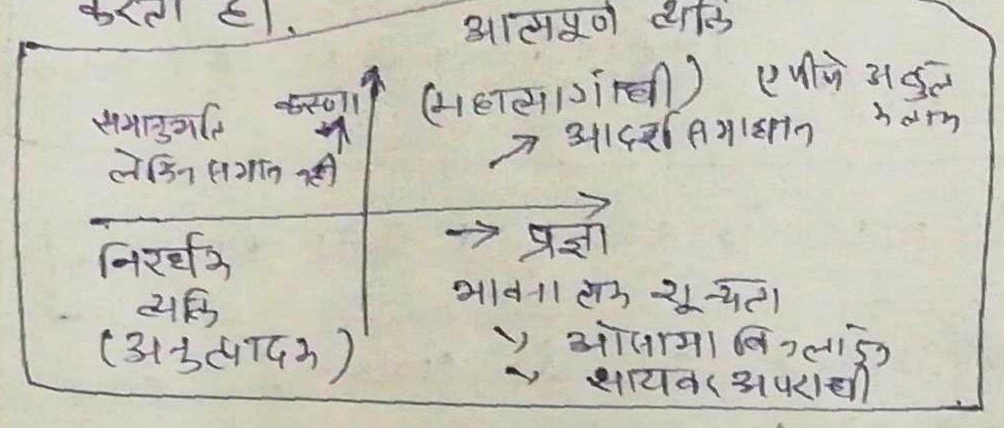

Fig. करुणा व प्रज्ञा का चित्रीय निरूपण

स्पष्टतः करुणा व प्रज्ञा किसी व्यक्ति की पूर्णता के लिये आवश्यक है ये दोनों समान रूप से विकसित होकर व्यक्ति को आत्मपूर्णतावाद की ओर ले जाता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) The life of Dr. A.P.J. Abdul Kalam presents a broad range of lessons and virtues to be learnt by public servants in India. Discuss. (150 words) 10

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन भारत में लोक सेवकों द्वारा सीखे जाने वाले सबक और सद्गुणों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है। चर्चा कीजिए।

डा. एपीजे अब्दुल कलाम एक महान वैज्ञानिक, उत्कृष्ट नेता व आदर्श ~~महापुरुष~~ व्यक्ति थे। जिनका जीवन लोक सेवकों को अनेक सबक व सद्गुणों को अपनाने के लिये प्रेरित करता है।

सीखे जा सकने वाले सबक

1. लोक सेवकों को सपने देखकर उन्हे यथार्थ मे बदलना का प्रयास करना चाहिये।
   eg. साइबर पुलिस गार्ड के लिये सिविल सेवकों ~~को सपना पूरा करना~~ प्रोत्साहन

2. लोक सेवको को जिम्मेदारी लेते हुये अपनी जवाबदेही तय करनी चाहिये
   eg. एकीकृत निर्देशित मिसाइल प्रोग्राम की सफलता व असफलता की जिम्मेदारी कलाम द्वारा ली गई।

3. लोक सेवको को छात्रो के लिये आदर्श प्रस्तुत करना चाहिये।
   eg. अब्दुल कलाम विश्व के समक्ष आदर्श रूप मे

4. लोक सेवको टीम भावना से कार्यकरते हुये मानसिक दृढ़ता का परिचय देना चाहिये।
   eg. अब्दुल कलाम का DRDO का नेतृत्व

(5) इनका जीवन लोगों को धार्मिक सम्वलता तथा धर्मनिरपेक्षता को धारण करने का सबक देता है.
eg. राष्ट्रपति के रूप में धर्मनिरपेक्ष छवि

(6) अब्दुल कलाम समस्या के व्यावहारिक समाधान को अधिक महत्व देते थे अतः लोकसेवको को व्यावहारिक बनने हेतु सबक ग्रहण करना चाहिये

(7) रिस्क टेकिंग अभिवृत्ति के विकास हेतु आदर्श प्रस्तुत करते है

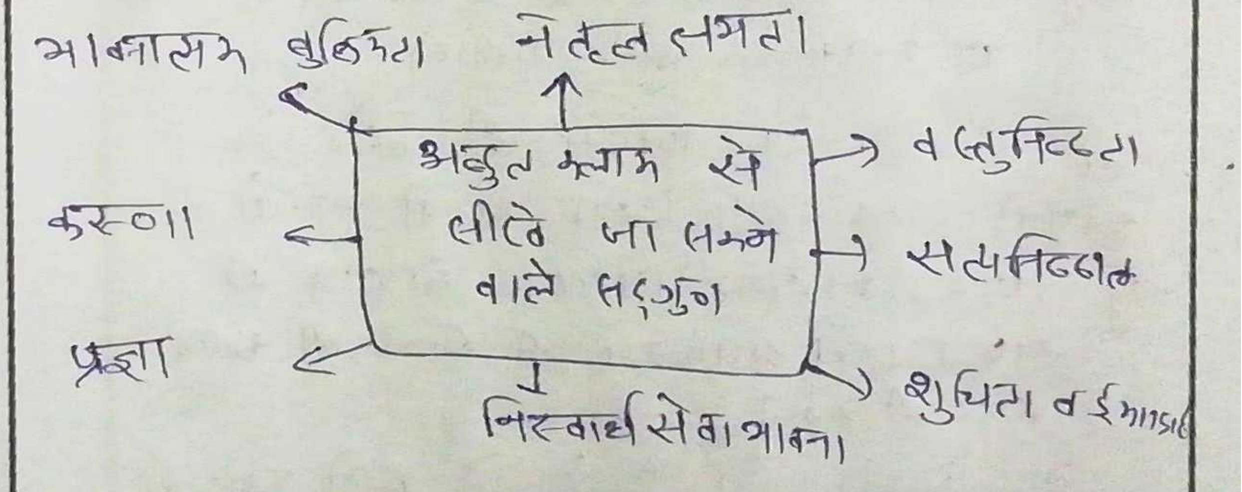

स्पष्टतः ए पी जे अब्दुल कलाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे जो लोक सेवको को अनेक सद्गुणो व सबको की विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करते है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Identify which essential information should be made available to the public via Citizen's Charter? Also, suggest some steps for successful implementation of the Citizen's Charter. (150 words) 10

चिन्हित कीजिए कि नागरिक चार्टर के माध्यम से कौन-सी आवश्यक जानकारी जनसामान्य के लिए उपलब्ध कराई जानी चाहिए? साथ ही, नागरिक चार्टर के सफल कार्यान्वयन के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

2nd ARC के अनुसार नागरिक चार्टर किसी संगठन द्वारा प्रदान की जा रही सेवा के संबंध में जनता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा है।

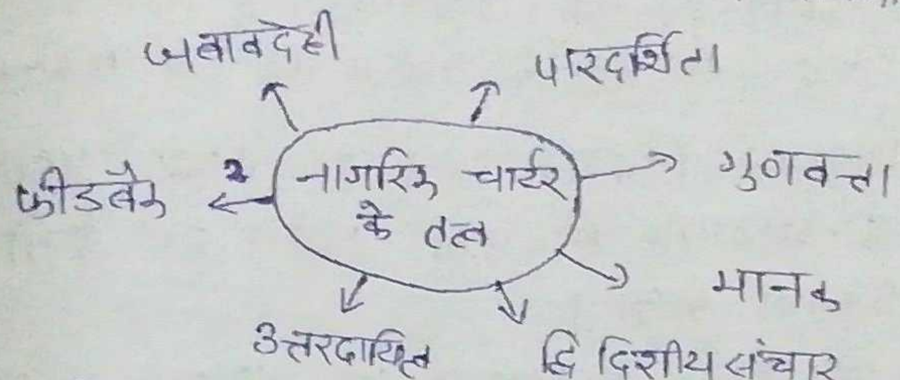

2nd ARC के अनुसार नागरिक चार्टर मे निम्न जानकारी आवश्यक रूप से उपलब्ध कराई जानी चाहिये।

① सेवा के प्रकार व सेवा की गुणवत्ता के मानक

② सेवा के मूल्य का सार्वजनिकीकरण (भ्रष्टाचार को रोकने हेतु)

③ संगठन की सेवा के लाभार्थियो की पहचान

④ शिकायत निवारण तंत्र की जानकारी

⑤ सेवा अदायिगी की समयबद्धता का प्रकटीकरण

⑥ संगठन के लक्ष्यो की घोषणा

⑦ फीडबैक तंत्र तक लाभार्थी की पहुँच की प्रक्रिया

⑧ संगठन की कार्य संस्कृति की जानकारी

नागरिक चार्टर के सफल क्रियान्वयन के उपाय

① नागरिक चार्टर को स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाना चाहिये।

② नागरिक चार्टर का समय-2 अपडेशन किया जाना चाहिये।

③ नागरिक चार्टर की घोषणा के लिये प्रौद्योगिकी का प्रयोग।
eg. संगठन के पोर्टल पर नागरिक चार्टर

④ शिकायत निवारण तंत्र की स्पष्ट प्रक्रिया व शिकायत निवारण प्रक्रिया का डैमो उपलब्ध करना।

⑤ फीडबैक के आधार पर समय-2 पर नागरिक चार्टर का अद्यतनीकरण करना।

⑥ नागरिक चार्टर को कानूनी रूप से प्रवर्तनीय बनाया जाना चाहिये।

[नागरिक चार्टर] + [शिकायत निवारण तंत्र] + [फीडबैक तंत्र] = सेवोत्तम मॉडल

स्पष्टतः सुशासन के इस युग में प्रभावी नागरिक चार्टर क्रियान्वयन सेवोत्तम मॉडल पर आधारित शासन के लिये आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Respect for human rights and humanitarian principles is a responsibility for all members of the international community. Discuss in the context of roles and responsibilities of States for protection of refugees. (150 words) 10

मानव अधिकारों और मानवीय सिद्धांतों के प्रति सम्मान व्यक्त करना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सभी सदस्यों का उत्तरदायित्व है। शरणार्थियों के संरक्षण के लिए राष्ट्रों की भूमिकाओं और उत्तरदायित्व के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

मानव अधिकारो से तात्पर्य अधिकारो के उस समुच्चय से है जो किसी को मानव होने के कारण ~~स्वाभिक~~ स्वभाविक रूप से प्राप्त है वही मानवीय सिद्धांत वे सिद्धांत है जो मानववाद के पोषक है.

1948 मे मानवाधिकारो की सार्वभौमिक घोषणा ने इनके प्रति सम्मान को अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के उत्तरदायित्व के रूप मे स्थापित किया।

शरणार्थियो के अधिकारो के संरक्षण मे राष्ट्रो की भूमिका व उत्तरदायित्व

1. शरणार्थियो को मूल राष्ट्र से प्रताडित मानव के रूप मे देखा जाता है अत: अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता इनके पुनर्वास के लिये राष्ट्रो की भूमिका व उत्तरदायित्व तय करती है.
   eg. रोहिंग्या मुद्दा।
2. राष्ट्रो को शरणार्थियो के मानव अधिकारो की रक्षा हेतु मूल राष्ट्र पर अन्तर्राष्ट्रीय दबाव बनाना चाहिये।
   eg. उईगर मुस्लिम के संदर्भ मे चीन पर दबाव
3. पर्यावरण शरणार्थियो के गुणवत्ता पूर्ण जीवन की जिम्मेदारी विकसित राष्ट्रो मे

उठानी चाहिये क्योंकि पर्यावरण प्रदूषण की अधिक जिम्मेदारी विकसित राष्ट्रों की अधिक है।
eg. अफ्रीका के शरणार्थियो के पुनर्वास मे यूरोप की भूमिका।

4. राष्ट्रो को अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से शरणार्थियो की समस्याओ के समाधान हेतु आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिये।
eg. UN की आर्थिक व सामाजिक परिषद का अफ्रीका के देशो मे कार्यक्रम

5. शरणार्थियो पर हो रहे अत्याचारो की रोकथाम हेतु अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय व ICC जैसे मंचो की भूमिका तय करना।

6. शरणार्थियो के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार हेतु राष्ट्रो से समर्पित कोषो की स्थापना
eg. अल्पविकसित देशो के लिये UN कोष

स्पष्टतः शरणार्थियों के मानव अधिकारो की रक्षा हेतु राष्ट्रो की भूमिका व उत्तरदायित्व तय होनी चाहिये साथ ही इस दिशा मे वैश्विक सहयोग पर आधारित अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता का पालन करना चाहिये।

VISION IAS™

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

6. What is red-tapism? Why is it considered a hurdle in the process of transitioning towards citizen centric governance? (150 words) 10

लाल फीताशाही क्या है? क्यों इसे नागरिक केंद्रित शासन व्यवस्था की ओर स्थानांतरण की प्रक्रिया में एक बाधा के रूप में देखा जाता है?

लाल फीताशाही किसी शासन व्यवस्था के विभिन्न सोपानो मे व्याप्त ~~कठु~~ स्थिति ~~है~~ है जिसमे अनावश्यक प्रथाओ व उत्साह की कमी के कारण विलम्ब की कार्य संस्कृति का जन्म होता है. 2nd ARC के अनुसार लाल फीताशाही सुशासन के समक्ष एक बड़ी चुनौती है.

नागरिक केंद्रित शासन व्यवस्था की ओर स्थानांतरण मे बाधा के रूप मे लाल फीताशाही

(1) लाल फीताशाही शासन मे विलम्बता व नागरिको की अल्पभागीदारी की संस्कृति का पोषण करती है.

(2) किसी योजना में शिकायत निवारण तंत्र के प्रति नौकरशाही उत्साह मे कमी के कारण नागरिको की भागीदारी सीमित करती है.

(3) लाल फीता शाही RTI के माध्यम सूचना प्राप्ति मे विलंब कर नागरिक केंद्रित शासन व्यवस्था में बाधा पहुंचाती है.

(4) नागरिक केंद्रित शासन मे नागरिक ग्राहक के रूप मे होता है जबकि लालफीताशाही

सिविल सेवक में सेवा के प्रति समर्पण के अभाव को जन्म देती है।

(5) लालफीताशाही परियोजनाओं में अनावश्यक विलम्ब को बढ़ाती है जो परियोजनाओं की लागत को बढ़ाती है जिससे नौकरशाह सामाजिक अंकेक्षण से बचने का प्रयास करते है और नागरिक भागीदारी बाधित होती है।
eg. MOSPI के अनुसार 441 परियोजनाओं लालफीताशाही के कारण 4.74 लाख करोड़ की अतिरिक्त लागत।

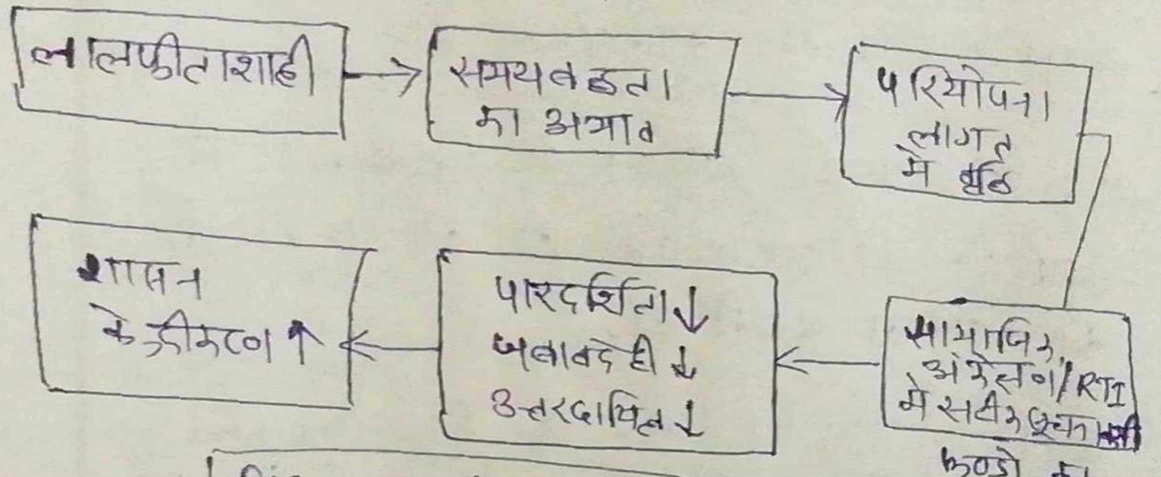

Fig. लालफीताशाही से सत्ता मे केन्द्रीकरण

इस तरह लालफीताशाही नागरिक केंद्रित शासन के समक्ष एक बड़ी बाधा है। UNDP के अनुसार नागरिक समाज की भागीदारी पर आधारित विकास को बढ़ावा देते हुये कार्य संस्कृति से लालफीताशाही को समाप्त किया जाना चाहिये।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. Given the rising tide of Covid induced fatalities, the government is under extreme pressure to deliver some vaccine to the population. You are the Cabinet Secretary to the Government of India. You are heading the committee to oversee the process of vaccine development and distribution to fight against the Covid outbreak in the country. You have been asked to expedite the process and come up with a solution at the earliest.

Some vaccines are available around the globe, but they are in limited supply and also expensive. One of the indigenously developed vaccine has shown initial positive results, but health experts have raised concerns over its safety, efficacy and the methodology being followed for its approval. Other promising vaccines under development, following a rigorous methodology, may take months to enter the market. In this context:

(a) What are the critical issues involved in the case?

(b) Explain, with relevant reasons, the course of action that you would take. **(20)**

कोविड के प्रकोप के कारण मृत्यु की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार, जनता को कुछ वैक्सीन उपलब्ध कराने को लेकर अत्यधिक दबाव में है। आप भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिव हैं। आप देश में कोविड प्रकोप का सामना करने के लिए वैक्सीन का विकास और वितरण की प्रक्रिया का निरीक्षण करने वाली समिति का नेतृत्व कर रहे हैं। आपको प्रक्रिया में तेजी लाने और जल्द से जल्द समाधान के लिए कहा गया है।

वैश्विक स्तर पर कुछ वैक्सीन उपलब्ध हैं, लेकिन उनकी आपूर्ति सीमित है और साथ ही वे महंगी भी हैं। स्वदेशी रूप से विकसित वैक्सीन में से एक में आरंभिक सकारात्मक परिणाम देखे गए हैं, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसकी सुरक्षात्मकता, प्रभावकारिता और इसके अनुमोदन के लिए अपनाई जा रही कार्यपद्धति पर चिंता व्यक्त की है। विकास की प्रक्रिया के तहत कठोर कार्यपद्धति का पालन करने वाली अन्य आशाजनक वैक्सीनों को बाजार में उपलब्ध होने में महीनों का समय लग सकता है। इस संदर्भ में:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित महत्वपूर्ण मुद्दे क्या हैं?

(b) प्रासंगिक कारणों के साथ स्पष्ट कीजिए कि इस संबंध में आप क्या कार्यवाही करेंगे।

उपर्युक्त प्रकरण राज्य की स्वास्थ्य संबंधी दायित्व (Art 47) व टीके के आपातकालीन मंजूरी के संदर्भ में मंत्रिमंडल सचिव व वैक्सीन पर बनी समिति के अध्यक्ष के रूप मे उत्पन्न नैतिक संघर्ष की स्थिति को प्रदर्शित करता है.

(a) प्रकरण मे सम्मिलित मुद्दे

(i) बढ़ती मृत्युओं की संख्या में वेक्सीन की उपलब्धता का मुद्दा।

(ii) वेक्सीन की आपातकाल मंजूरी का मुद्दा।

(iii) वैश्विक वेक्सीन की वहनीयता का मुद्दा।

(iv) स्वदेशी वेक्सीन की सुरक्षात्मकता व प्रभावकारिता के अनुमोदन की कार्य पद्धति के प्रति अविश्वास का मुद्दा।

(v) कठोर कार्य पद्धति के पालन से वेक्सीन विलम्बता का मुद्दा।

(vi) वेक्सीन के विकास व वितरण की सूची तैयार करना का मुद्दा।

(vii) सर्वाधिक उपयुक्त वेक्सीन के चुनाव का मुद्दा।

(viii) वेक्सीन की गुणवत्ता व समय मे तेजी लाने के संबंध समन्वय का मुद्दा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

(b) कार्यवाही व प्रासंगिक कारण

① सर्वप्रथम स्वदेशी व वैश्विक वैक्सीनो की उपलब्धता पर आधारित सूची समिति की सहमति के आधार पर तैयार करूंगा।

प्रासंगिक कारण → निर्णय निर्माण के लिये विकल्पों मे वृद्धि व बेहतर कि॰ वैक्सीन के चुनाव की संभावना बढ़ जायेगी।

② प्रत्येक वैक्सीन के नैदानिक परीक्षणो विभिन्न चरणो की स्थिति व प्रत्येक चरण के परिणामो को सूचीबद्ध करना।

प्रासंगिक कारण → प्रत्येक वैक्सीन की स्पष्ट स्थिति का पता चलेगा। तथा तुलना संभव हो पायेगी।

③ प्रत्येक वैक्सीन की आर्थिक वहनीयता का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रासंगिक कारण → स्वदेशी वैक्सीन व अन्य वैक्सीन के वहनीयता अंतराल की जानकारी प्राप्त होगी।

④ प्रत्येक वैक्सीन के नैदानिक परीक्षणो की सुरक्षात्मक व कार्यपद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रासंगिक कारण → सुरक्षा की दृष्टि से सर्वाधिक सुरक्षित वैक्सीनो की वरीयता क्रम निर्धारण किया जा सकेगा।

⑤ प्रत्येक वैक्सीन की उपलब्धता समय के अंतराल को सूचीबद्ध करना।
प्रासंगिक कारण → प्रत्येक वैक्सीन की उपलब्धता संबंधी स्पष्टता आयेगी।

⑥ उपर्युक्त तथ्यो पर समिति मे विचार विमर्श व बहुमत के आधार पर वैक्सीन का चुनाव।
प्रासंगिक कारण → टीम आधारित निर्णय

⑦ विभिन्न मंत्रालयो की के सहयोग से वैक्सीन की आवश्यक मात्रा का अनुमान
प्रासंगिक कारण → मांग की जानकारी प्राप्त होगी।

⑧ वैक्सीन की मांग व आर्थिक लागत का बजट निर्माण
प्रासंगिक कारण → आर्थिक वहनीयता व फण्ड की उपलब्धता के आधार पर निर्णय निर्माण

⑨ समिति मे सर्व सम्मति के आधार पर वैक्सीन के लिये वरीयता क्रम का निर्धारण। इस संदर्भ मे WHO की द्वाइएज नैतिकता का पालन करूंगा।
प्रासंगिक कारण → वैक्सीन के वरीयता क्रम मे नैतिक मूल्यो का समावेश।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(10) वैक्सीन आपूर्ति श्रृंखला की संधारणीयता के उपाय

प्रासंगिक मार्ग - वैक्सीन की निर्बाध आपूर्ति

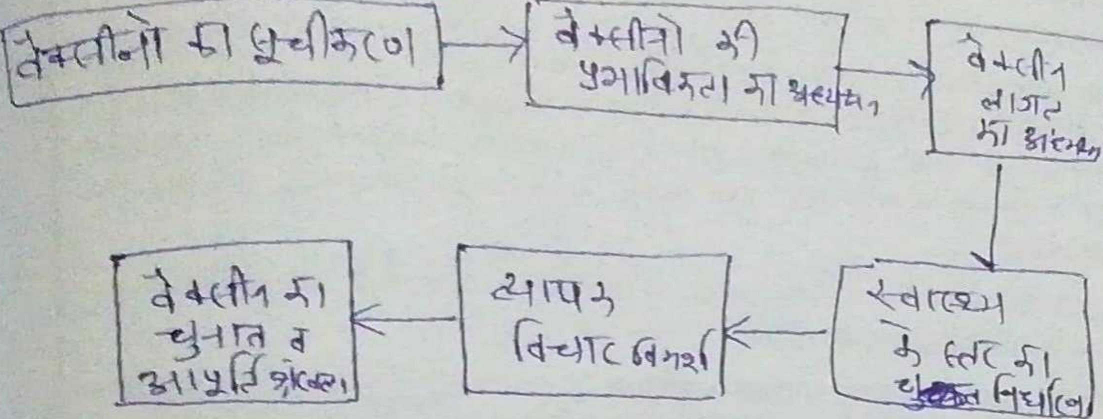

Fig. वैक्सीन के संदर्भ मे निर्णय निर्माण के चरण

कार्यवाही की औचित्यता

1. अधिकतम लोगो का अधिकतम कल्याण (बेंथम की नैतिकता)
2. चिकित्सीय नैतिकता का पालन
3. टीम भावना पर आधारित निर्णय
4. आर्थिक मूल्यो (दक्षता, प्रभावी, मितव्ययी) का समावेशन
5. मानवता के सिद्धान्तो पर आधारित नैतिकता का पालन

स्पष्टतः कोविड -19 के इस प्रकोप में मंत्रिमंडल सचिव के रूप में उपर्युक्त कार्यवाही के साथ आगे की रणनीति तय करूंगा। इस पूरी प्रक्रिया का आवधिक मूल्यांकन भी सुनिश्चित करूंगा।

10. Literacy levels have been increasing in India over the past few decades, and the literacy rate was found to be 74.04 per cent after the 2011 census. Though this increase in literacy rate seems like a very great accomplishment, it is a matter of concern that still so many people in India cannot even read and write. Children are going to school but not learning much beyond "floor level tasks".

Moreover, the higher literacy level has not resulted in better human values and this is manifested in the troubled atmosphere in the society at large. This failure of the education system to reform human behavior is troubling for a young democracy, like India. Given this situation, answer the following:

(a) What role is education expected to play in reforming human behaviour and inculcating human values?

(b) Do you think only the government is responsible for this state of the education system? If not, identify the stakeholders who should press for a change in the education system in this regard. **(20)**

पिछले कुछ दशकों से भारत में साक्षरता का स्तर बढ़ रहा है, और वर्ष 2011 की जनगणना के अंतिम आंकड़ों के अनुसार भारत में साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत रही। यद्यपि, साक्षरता दर में यह वृद्धि बहुत बड़ी उपलब्धि की तरह प्रतीत होती है, तथापि इसके साथ चिंता का विषय यह है कि अभी भी भारत में अत्यधिक संख्या ऐसे लोग विद्यमान हैं जो पढ़ और लिख नहीं सकते हैं। बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए विद्यालय तो जा रहे है लेकिन वे अभी भी स्तरीय ज्ञान से अधिक कुछ नहीं सीख पा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, उन्नतर साक्षरता से बेहरत मानवीय मूल्य परिलक्षित नहीं हुए हैं जिसे समाज में व्यापक रूप से अशांत वातावरण के रूप देखा जा सकता है। मानव व्यवहार में सुधार लाने में विफल शिक्षा प्रणाली भारत जैसे नवोदित लोकतंत्र के लिए समस्या है।

इस परिस्थिति को देखते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) मानव व्यवहार में सुधार लाने और मानवीय मूल्यों को विकसित करने में शिक्षा द्वारा निभाई जाने वाली अपेक्षित भूमिका क्या है?

(b) क्या आप मानते हैं कि शिक्षा प्रणाली की इस दशा के लिए केवल सरकार जिम्मेदार है? अगर नहीं, तो उन हितधारकों की पहचान कीजिए जिन्हें इस संबंध में शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने के लिए दबाव डालना चाहिए।

प्रस्तुत प्रकरण गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की कमी को दर्शाता है। शिक्षा एक मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21A) तथा एक राज्य को दिये गये निर्देश (अनुच्छेद 45) तथा समाज मे व्यक्तियो के कर्त्तव्य (Art 51A) के रूप मे है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) मानव व्यवहार में सुधार लाने व मानवीय मूल्यों को विकसित करने मे शिक्षा की भूमिका।

मानव व्यवहार में सुधार मे शिक्षा की भूमिका।

① व्यवहार में ~~परिवर्तन~~ अपेक्षित परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप मे शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
   eg. दरवाजा बंद अभियान विद्यार्थियो के व्यवहार मे परिवर्तन

② शिक्षा अभिवृत्ति परिवर्तन व अनुनय हेतु प्रभावी साधन है
   eg. महापुरुषो की प्रेरणादायक कहानी से व्यवहार में परिवर्तन का प्रयास

③ व्यवहार में परिवर्तन की प्रथम सीढी संज्ञान होती है और संज्ञान शिक्षा के माध्यम से ही संभव है.

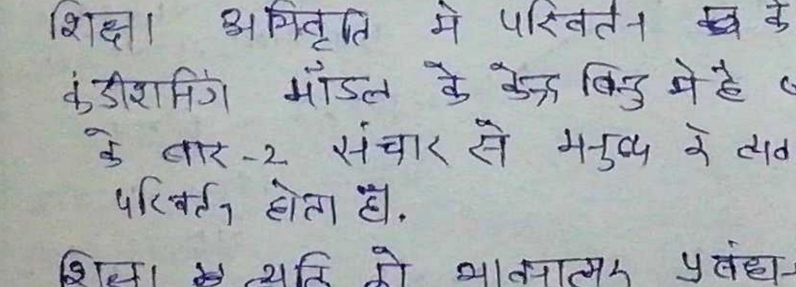

Fig. CAB मॉडल

④ शिक्षा अभिवृत्ति मे परिवर्तन के क्लासिकल कंडीशनिंग मॉडल के केन्द्र बिन्दु मे है जहां सूचना के बार-2 संचार से मनुष्य के व्यवहार मे परिवर्तन होता है.

⑤ शिक्षा व्यक्ति को भावनात्मक प्रबंधन सिखाती है और भावनात्मक प्रबंधन व्यवहार मे अपेक्षित व्यवहार की प्रोन्नति करता है
eg. करूणा, सहानुभूति व्यवहार

मानवीय मूल्यो को विकसित करने मे शिक्षा की भूमिका

1. शिक्षा विद्यार्थियो को विभिन्न महापुरुषो व विचारको के मानवीय मूल्यो से अवगत कराती है और उन्हे अपने जीवन मे उतारने के लिये प्रेरित करती है। (अध्ययन अधिगम)

2. विद्यालयो में शिक्षा तर्कपूर्ण संवाद के माध्यम से नवीन मानवीय मूल्यो की शिक्षा ग्रहण करता है
   eg. पर्यावरणीय मूल्य व लैंगिक समानता के मूल्य।

3. सकारात्मक शिक्षा में पाठ्येत्तर गतिविधियो से कई मूल्यो का विकास होता है (लर्निंग बाय डूइंग)
   eg. खेल से टीम भावना, नेतृत्व

4. शिक्षा व्यक्ति को वस्तुनिष्ठता, संवेदनशीलता, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, जवाबदेही, उत्तरदायित्व, नि:स्वार्थ भावना जैसे मानवीय मूल्यो का बोध कराती है। (अवलोकन अधिगम)

विद्यार्थी — शिक्षा →
- सकारात्मक - महात्मा गांधी
  मूल्य - अहिंसा, सत्यवादिता, प्रेम, सर्वोदय, सत्यनिष्ठा
- नकारात्मक - हिटलर
  मूल्य → हिंसा, नस्लीय श्रेष्ठता, घृणा

5. समाज मे घट रही घटनाओ की प्रतिक्रिया से सीखकर भी व्यक्ति मूल्यो को विकसित करते है।
   eg. कानून के भय से मूल्यो का निर्माण (साधनात्मक (Instrumental) अधिगम)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) शिक्षा प्रणाली की इस दशा के लिये केवल सरकार जिम्मेदार नही है इसके लिये अन्य हितधारक भी उत्तरदायी है.

(i) सरकार
(i) राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी।
(ii) योजनाओं में मात्रा पर ध्यान गुणवत्ता की उपेक्षा।
(iii) शिक्षा नीति में अस्थिरता

(ii) परिवार
(i) अशिक्षित परिवारो मे शिक्षा के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण
(ii) लैंगिक असमानता के संदर्भ मे बालिका शिक्षा के पर ध्यान नही।
(iii) अक्षरी ज्ञान को वरीयता

(iii) शिक्षण संस्थाये
(i) चरित्र रहित शिक्षा की अदायिगी।
(ii) शिक्षा को एक व्यापार के रूप मे प्रस्तुत करते है
(iii) व्यावहारिक शिक्षा मे कमी

(iv) समाज
(i) आर्थिक सक्षमता के लिये शिक्षा की आवश्यकता समझा जाता है
(ii) शिक्षा के संदर्भ मे असमानता व शिक्षा की गुणवत्ता का असमान वितरण

(v) नागरिक समाज / NGO
(i) शिक्षा मूल्यांकन पर अधिक ध्यान तथा शिक्षा सुधार की उपेक्षा
(ii) सरकार के साथ समन्वय का अभाव

(vi) कोरपोरेटस
(i) शिक्षा पर CSR व्यय मे कमी।

(vii) डिजिटल प्रौद्योगिकी वाली कंपनिया
(i) ऑनलाइन शिक्षा की अवलंबना मे कमी।
(ii) गरीब परिवारो तक प्रौद्योगिकी के पहुँच का अभाव

(viii) शिक्षार्थी
(i) शिक्षा के प्रति उत्साह मे कमी
(ii) नौकरी के लिये शिक्षा वाली अभिवृत्ति

(ix) अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय
(i) यूनेस्को की ~~क्षमता~~ अक्षमता
(ii) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

स्पष्टतः शिक्षा की इस दयनीय दशा के लिये अनेक हितधारक उत्तरदायी हो. शिक्षा मे अपेक्षित बदलाव व सतत विकास की प्राप्ति हेतु इन पर दबाव डालना चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Problems surrounding air pollution present an urgent challenge for many countries, including India. Among other reasons, this challenge has been exacerbated by the indifferent attitude of people towards it. Various studies have pointed out the harmful effects of air pollution. Despite the government bringing various regulations on activities like stubble burning and bursting fire crackers, people violate them.

(a) Discuss the reasons behind such behaviour on part of society towards air pollution.

(b) Suggest measures that are required to be undertaken to nudge people towards pro-environment behaviour.

(20)

वायु प्रदूषण के चतुर्दिक समस्याएं भारत सहित कई देशों के लिए एक गंभीर चुनौती उत्पन्न करती हैं। अन्य कारणों के बीच, इस चुनौती को इसके प्रति लोगों के उदासीन अभिवृत्ति से और बढ़ावा मिला है। विभिन्न अध्ययनों द्वारा वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों को इंगित किया गया है। सरकार द्वारा पराली जलाने और पटाखे फोड़ने जैसी गतिविधियों पर कई तरह के विनियम लागू करने के बावजूद लोग इनका उल्लंघन करते हैं।

(a) वायु प्रदूषण के प्रति समाज के इस तरह के व्यवहार के कारणों पर चर्चा कीजिए।

(b) उन उपायों का सुझाव दीजिए जो पर्यावरण समर्थक व्यवहार के प्रति लोगों को आकर्षित करने के लिए आवश्यक हैं।

गुणवत्ता पूर्ण पर्यावरण एक मानव अधिकार है भारत मे अनुच्छेद 21 के तहत मूल अधिकार है. लेकिन विभिन्न सरकारी प्रयासो के बावजूद वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है समाज मे इस समस्या के संदर्भ मे अभी तक व्यवहार मे परिवर्तन नही आया है.

(A) वायु प्रदूषण के प्रति समाज के इस तरह के व्यवहार के कारण

(1) समाज में अधिकतर लोग वायु प्रदूषण के गंभीर हानिकारक प्रभावो से अवगत नही है (संज्ञान - cFactor की कमी)

(2) समाज में प्रभावित लोग (अस्थमा, [illegible] रोगों) के प्रति समाज में

संवेदनशीलता व समानुभूति की कमी है।
(भावनात्मक शून्यता)

③ सांस्कृतिक व धार्मिक तत्वों को पर्यावरण व स्वास्थ्य पर वरीयता देना।
(दीपावली में पटाखे)

④ सरकार द्वारा कानून क्रियान्वयन के संबंध में अक्षमता।
(पराली जलाने पर कानून के बाद भी पराली जलाने की बढ़ती प्रवृत्ति)

⑤ समाज के लोगो में वायु प्रदूषण की समस्या के प्रति उत्साह में कमी।

⑥ सामाजिक सहयोग व एकीकृत दृष्टिकोण का अभाव।

⑦ वायु प्रदूषण के लिये विभिन्न मंत्रालयों व सरकारी विभागों में समन्वय का अभाव।

⑧ नागरिक समाज व NGOs का वायु प्रदूषण की समस्या के प्रति कम ध्यान।

⑨ आर्थिक मूल्यो को पर्यावरणीय मूल्यों पर वरीयता देना।
eg. औद्योगिक कारखाने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) सार्वजनिक परिवहन के बजाय निजी परिवहन का बढ़ता चलन (आर्थिक विपन्नता पर अतिशय जोर)

(ii) प्रदूषण नियंत्रण संस्थाओं की तकनीकी अक्षमता तथा समाज के नकारात्मक व्यवहार को परिवर्तित करने की असमर्थता।

(b) पर्यावरण समर्थक उपयुक्त व्यवहार के प्रति आकर्षण हेतु उपाय

(1) पर्यावरणीय समस्याओं की गंभीरता का बोध कराकर व्यवहार में परिवर्तन ~~(CAB) मॉडल~~ (CAB मॉडल) (वायु गुणवत्ता प्रबंधन)

(2) कानून के उल्लंघन पर कठोर दंड का प्रावधान (केरल प्लास्टिक मॉडल)

(3) स्वास्थ्य पूर्ण जीवन के संदर्भ में लोगों के समक्ष रोल मॉडल प्रस्तुत करना (नार्वे व स्वीडन)

(4) पर्यावरणीय संधारणीयता को सांस्कृतिक तत्वों से जोड़कर प्रस्तुत करना। (eg. वृक्षों की पूजा से वनोन्मूलन में कमी - मेघालय)

(5) व्यवहारात्मक अर्थशास्त्र का प्रयोग कर व्यवहार मे अपेक्षित परिवर्तन।

(6) पर्यावरण प्रदूषण को शिक्षा के अनिवार्य घटक के रूप मे स्थापित कर विद्यार्थियो मे पर्यावरणीय सचेतना का विकास।

(7) विभिन्न NGO के माध्यम वायु प्रदूषण के संदर्भ मे व्यापक जागरूकता।
eg. ग्रीन पीस

(8) पर्यावरण प्रदूषण के सामाजिक आर्थिक व पर्यावरणीय लागत का अध्ययन प्रकाशित कर लोगो को सूचित करना
(अवलोकन अधिगम)

(9) प्रभावी अनुनय तकनीक व अभिवृत्ति परिवर्तन हेतु प्रशासको को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(10) परिवार के स्तर पर पर्यावरणीय मूल्यों की शिक्षा।

(11) सोशल मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम वायु प्रदूषणकारी तत्वों की सार्वजनिक भर्त्सना।

(12) वायु प्रदूषण के क्षेत्र में सकारात्मक प्रयासों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिये।

(13) समाज के प्रभावी व्यक्ति व पर्यावरणविदों की इस संदर्भ में भूमिका तय की जानी चाहिये

(14) स्थानीय समुदाय आधारित प्रदूषण रोकथाम व जागरूकता।

स्पष्टतः इस तरह के नकारात्मक व्यवहार में परिवर्तन हेतु बहुआयामी व बहुस्तरीय उपाय अपनाये जाने की आवश्यकता है।

12. In recent times, social media has emerged as an important platform for all to share their information and opinions. Many civil servants are also quite active on the social media. Given this situation, there have been calls to revise or update the Civil Services Conduct Rules.

Suppose you are a senior IAS officer who is heading a panel set up by the government to bring suitable changes in the conduct rules. Elaborate on how you will respond to the following questions:

(a) What are the issues with a civil servant expressing his/her views on social media on various matters?

(b) Should criticism of government policies on social media by civil servants be allowed?

(c) How should civil servants conduct themselves on social media? **(20)**

हाल के दिनों में, सोशल मीडिया सभी के लिए अपनी जानकारी और राय साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। कई लोक सेवक भी सोशल मीडिया पर अत्यधिक सक्रिय हैं। इस स्थिति को देखते हुए, सिविल सेवा आचरण नियमावली को संशोधित या अद्यतित करने की मांग की गई है।

मान लीजिए आप भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं, तथा आचरण नियमावली में उपयुक्त परिवर्तन करने के लिए सरकार द्वारा स्थापित एक पैनल का नेतृत्व कर रहे हैं। विस्तारपूर्वक बताइए कि आप निम्नलिखित प्रश्नों पर क्या प्रतिक्रिया देंगे:

(a) एक लोक सेवक द्वारा विभिन्न मुद्दों के संदर्भ में सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त किए जाने से संबंधित मुद्दे कौन-से हैं?

(b) क्या लोक सेवकों द्वारा सोशल मीडिया पर सरकारी नीतियों की आलोचना करने की अनुमति दी जानी चाहिए?

(c) लोक सेवकों को सोशल मीडिया पर खुद को कैसे संचालित करना चाहिए?

सोशल मीडिया मीडिया का एक नवीनतम रूप है जहाँ लोग अपने विचारो का द्विदिशीय संचार करते है. हालांकि संगठन व संस्था के उच्च स्तर पर कार्मिको द्वारा सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग उनकी उत्पादकता को कम करता है.

इस संदर्भ मे उपर्युक्त प्रकरण मे पेनल का अध्यक्ष होने के नाते

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सिविल सेवा आचरण नियमावली के संदर्भ मे मेरी प्रतिक्रिया इस प्रकार रहेगी -

(A) लोक सेवक द्वारा सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त करने से संबंधित मुद्दे।

① गोपनीयता का मुद्दा

② हित संघर्ष (संगठन के हित पर व्यक्तिगत हित को बढ़ाना)

③ अनामता (अनुच्छेद 311)
→ सेवा सम्पादन मे सिविल सेवक अनाम बना रहेगा।

④ सोशल मीडिया व पारदर्शिता का मुद्दा।

⑤ ई गवर्नेंस व डिजिटल इंडिया का प्रचार

⑥ लोक सेवा के प्रति लोगो का विश्वास

⑦ सोशल मीडिया व फेक न्यूज, डीप फेक जैसे मुद्दे।

⑧ सरकार के प्रति लोक विश्वास

⑨ लोक सेवा की कार्य संस्कृति का मुद्दा

Call us : 8468022022, 9019066066 Visit us : www.visionias.in

(b) लोक सेवकों द्वारा सोशल मीडिया पर सरकारी नीतियों की आलोचना की अनुमति नहीं दी जानी चाहिये क्योंकि-

(i) इससे समाज में लोक सेवा पर सरकार के प्रति जन विश्वास में कमी।

(ii) यह विरोध प्रदर्शन व आंदोलनों को बढ़ावा देगा जिससे समाज मे अव्यवस्था व अराजकता उत्पन्न हो सकती है।

(iii) चूंकि लोक सेवक भी नीति निर्माण व नीति क्रियान्वयन के लिये जिम्मेदार है अतः सोशल मीडिया में जाने से इसे हित संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है।

(iv) इससे विपक्ष के हावी होने से सरकार पर संकट उत्पन्न हो सकता है और लोकप्रभुता से स्थापित सरकार अस्थिर हो सकती है यह लोकतंत्र की भावना के खिलाफ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(v) सरकार की गोपनीयता भंग होने से राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौती उत्पन्न हो सकती है।

(c) लोक सेवकों को खुद को सोशल मीडिया पर निम्न तरह संचालित करना चाहिये

(i) स्वयं को लोक सेवक के रूप मे प्रस्तुत करते हुये सरकारी योजनाओ को समाज के सभी वर्गों मे उपलब्ध कराने के लिये सोशल मीडिया का उपयोग करना चाहिये

(ii) आचार संहिता व नीति परक आचार संहिता पर आधारित सोशल मीडिया मंचो का प्रयोग।

(iii) सोशल मीडिया का उपयोग सिविल सेवक को इस प्रकार करना चाहिये जिससे सिविल सेवा के प्रति लोगो मे विश्वास बढ़े।

(iv) सिविल सेवको को निष्पक्ष व गैर तरफदारी पूर्ण व्यवहार करते हुये सोशल मीडिया का उपयोग करना चाहिये।

(v) अपेक्षित गोपनीयता के साथ सोशल मीडिया पर सूचनाओं व विचारों का प्रकटीकरण करना चाहिये।

(vi) सार्वजनिक हित को वरीयता देते हुये व्यक्तिगत हित को महत्व नहीं दिया जाना चाहिये।

(vii) लोक सेवको संयमता धारण करते हुये सोशल मीडिया को सूचना पोर्टल के रूप मे उपयोग मे लेना चाहिये।

(viii) सोशल मीडिया को फीडबैक का आधार मानते हुये लोक सेवा की गुणवत्ता मे सुधार के लिये सोशल मीडिया का प्रयोग करना चाहिये

इस तरह डिजिटल गवर्नेंस के दौर मे सकारात्मक संवाद व बेहतर प्रशासन के संदर्भ मे विवेक। सोशल मीडिया का संयमित उपयोग लोक सेवको द्वारा किया जाना चाहिये

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Economic growth has been the primary goal of economic policies, and the principal measure of an economy's success. In the last few decades, economic growth benefitted mankind in multiple ways. But alongside these benefits, it has also generated significant issues and a series of converging challenges. In light of this, answer the following:

(a) What was the rationale behind GDP growth being considered the pillar of economic policies the world over in the past few decades?

(b) Explain the need to go beyond GDP growth and reassess our measures of development. Identify some of the components that need to be complemented with GDP growth going forward.

(20)

आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक नीतियों का प्राथमिक लक्ष्य रहा है, और किसी अर्थव्यवस्था की सफलता का प्रमुख उपाय भी। विगत कुछ दशकों में, आर्थिक संवृद्धि ने मानव जाति को कई तरीकों से लाभान्वित किया है। लेकिन इन लाभों के साथ ही, इसने महत्वपूर्ण मुद्दों को और अभिसरण संबंधी चुनौतियों की एक श्रृंखला को भी उत्पन्न किया है। इस तथ्य के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) विगत कुछ दशकों में विश्व भर में जी.डी.पी. की संवृद्धि को आर्थिक नीतियों का स्तंभ माने जाने का मूल आधार क्या था?

(b) जी.डी.पी. की संवृद्धि से आगे जाने की आवश्यकता की व्याख्या कीजिए और विकास के हमारे उपायों का पुनर्मूल्यांकन कीजिए। कुछ ऐसे घटकों की पहचान कीजिए जिन्हें आगे बढ़ने के लिए जी.डी.पी. की संवृद्धि के साथ पूरक के रूप में होने की आवश्यकता है।

आर्थिक संवृद्धि ~~अ~~ किसी भी अर्थव्यवस्था की प्रगति को आकलन का एक महत्वपूर्ण उपकरण होता है। आर्थिक संवृद्धि ने मानव जाति को लाभ भी पहुंचाया है वही कुछ इसकी अन्तर्निहित सीमाये भी रही है।

(a) विगत कुछ दशको मे विश्व भर जी.डी.पी. की संवृद्धि ~~की~~ को आर्थिक नीतियो का स्तम्भ माने जाने का मूल आधार

(1) जीडीपी में संवृद्धि देश में सकल पूंजी निर्माण में बढ़ोत्तरी करती है।

(2) आर्थिक संवृद्धि प्रति व्यक्ति आय मे बढ़ोत्तरी के माध्यम से गरीबी मे कमी करती है।

(3) आर्थिक संवृद्धि आर्थिक गतिशीलता का परिचायक है और निरन्तर आर्थिक प्रगति के द्योतक के रूप मे कार्य करती है।

(4) आर्थिक संवृद्धि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं के तुलनात्मक अध्ययन का आधार है अतः ये आर्थिक नीतियों के मूल मे होती है।

eg WB, IMF द्वारा संवृद्धि दर के आधार पर देशों की तुलना।

(5) विगत दशकों मे सरकार द्वारा संसाधनों के नियोजन को आर्थिक संवृद्धि के लक्ष्यों के साथ संचालित किया गया था।

eg. Five year plan व आर्थिक संवृद्धि

(6) पिछले दशक के सहस्त्राब्दी लक्ष्य (MDG) आर्थिक संवृद्धि पर ही आधारित थे।

(7) आर्थिक संवृद्धि को आय की असमानता व समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण कारक माना गया।

eg. सेवानार GVA के लक्ष्य

(8) विकसित देशो मे आर्थिक संवृद्धि को विकास की संधारणीयता का आधार माना। और अपने विकास को संचलित करने हेतु जीडीपी मे वृद्धि दर को वरीयता दी जाने लगी।

(9) विकासशील देशो द्वारा विकसित अवस्था मे पहुँचने के लिये आर्थिक संवृद्धि का आधार माना।

(b) जीडीपी की संवृद्धि से आगे जाने की आवश्यकता

(1) आर्थिक संवृद्धि विकास की सही माप नही है।

(2) आर्थिक संवृद्धि मे उच्च वृद्धि दर के साथ-2 विकासशील देशो मे आय की असमानता बढ़ी है

उदाहरण भारत मे पिछले दशक मे गिनी गुणांक 81% से बढ़कर 83.2% होगया।

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ आर्थिक संवृद्धि जीवन की गुणवत्ता को सुनिश्चित नही करता हो.
eg. ऑक्सफैम की रिपोर्ट

④ विकसित देशो मे आर्थिक संवृद्धि दर विश्व के औसत से भी कम
(विश्व GDP दर - 3.2%
जापान - 2% से भी कम)

विकास के हमारे उपायो का पुनर्मूल्यांकन

① आर्थिक संवृद्धि से आर्थिक विकास की ओर बढ़ना होगा।

② आर्थिक संवृद्धि की समावेशिता व संधारणीयता. के मध्य समन्वय स्थापित करना होगा।

③ सतत विकास लक्ष्यो के साथ आर्थिक संवृद्धि के लक्ष्यो का एकीकरण।

④ आर्थिक संवृद्धि की मात्रा के बजाय संवृद्धि की गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जीडीपी संवृद्धि के पूरक घटक

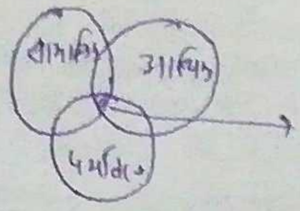

→ सतत संवृद्धि

1. जीडीपी संवृद्धि को शिक्षा, रोजगार व स्वास्थ्य के साथ जोड़ना चाहिये, eg. मानव विकास सूचकांक
2. जीडीपी संवृद्धि को मानव कल्याण के साथ जोड़कर प्रस्तुत करना चाहिये

   GDP + मानव कल्याण = आर्थिक विकास

3. पर्यावरणीय मूल्यों को भी आर्थिक संवृद्धि मे सेवाओं व वस्तुओं के अंतिम मूल्य निर्धारण मे शामिल करना चाहिये
   eg. हरित जीडीपी
4. जीडीपी संवृद्धि को समावेशिता से जोड़कर प्रसन्नता के रूप मे स्थापित करना चाहिये.
   eg. विश्व प्रसन्नता सूचकांक

स्पष्टतः GDP की संवृद्धि को विकास की सही माप के रूप मे स्थापित करने हेतु हमारी विकास योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिये।

14. The Covid-19 pandemic is far from over but governments across the world appear to have either relaxed lockdown parameters or will do so soon. Containing Covid and restoring our economies requires not just good policy decisions and medical advice; it also needs continued compliance with the recommended behavioural changes. Daunting as they may seem, the drastic changes in behaviour being called for, can indeed be brought about. Answer the following in this regard:

(a) Why is behavioural change seen to be desirable in a country like India, when it is faced with a pandemic of the kind of Covid-19?

(b) What role have different stakeholders in India been playing in helping communities adhere to the desired behaviour?

(c) Discuss the challenges in bringing about behavioural change, particularly in such an environment of anxiety and uncertainties. **(20)**

कोविड-19 वैश्विक महामारी की समाप्ति अभी बहुत दूर है लेकिन विश्व भर में सरकारें लॉकडाउन के मानदंडों में या तो शिथिलता प्रदान करती हुई प्रतीत हो रही हैं या शीघ्र ही ऐसा करेंगी। कोविड के प्रसार को रोकने और हमारी अर्थव्यवस्थाओं को पुनः बहाल करने के लिए न केवल अच्छे नीतिगत निर्णयों और चिकित्सा सलाह की आवश्यकता है; बल्कि इसके लिए अनुशंसित व्यवहार परिवर्तनों के साथ इनके निरंतर अनुपालन की भी आवश्यकता है। ये चाहे जितने भी चुनौतीपूर्ण प्रतीत हों, व्यवहार में जिन बड़े बदलावों की अनुशंसा की जा रही है, वे वास्तव में लाए जा सकते हैं। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) भारत जैसे देश में, कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी का सामना करने के लिए व्यवहार परिवर्तन को वांछनीय क्यों माना जाता है?

(b) भारत में समुदायों को वांछित व्यवहार का पालन करने में मदद कर रहे विभिन्न हितधारकों की क्या भूमिका रही है?

(c) विशेष रूप से चिंता और अनिश्चितताओं के ऐसे वातावरण में, व्यवहार में परिवर्तन लाने से संबंधित चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

वर्तमान विश्व कोविड-19 की महामारी से गुजर रहा है स्ट्रिक्ट लॉकडाउन व सोशल डिस्टेंसिंग ने हमारी व्यवस्थाओं के प्रत्येक भाग को प्रभावित किया है. इस संदर्भ मे अपेक्षित अनुकूलन हेतु कई बदलावों की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) भारत मे कोविड-19 जैसी महामारी के संदर्भ मे व्यवहार परिवर्तन की वांछनीयता

(1) भारत अत्यधिक जनसंख्या वाला देश है जिससे कोविड संक्रमण से व्यापक जान माल की ~~आवश्यकता है~~ हानि हो सकती है अत: संक्रमण की रोकथाम हेतु व्यवहार परिवर्तन आवश्यक है

(2) भारत मे सामाजिक गतिशीलता अधिक है अत: सोशल डिस्टेंसिंग हेतु व्यवहार परिवर्तन आवश्यक है।

(3) स्वच्छता के अभाव संक्रमण के उच्च होने के ~~श~~ चलते है अत: स्वच्छता के संदर्भ मे व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता है,

(4) भारत मे बड़े स्तर पर वैक्सीन हेजिटेन्सी है अत: वैक्सीन की स्वीकार्यता के संदर्भ मे भी व्यवहार परिवर्तन आवश्यक है।

(5) आर्थिक गतिशीलता को बनाये रखने हेतु डिजिटलीकरण के प्रति व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता है
(eg. 90% अनौपचारिक क्षेत्र)

(6) चिकित्सकीय शिक्षा, ~~क~~ व अवसंरचना की सीमित उपलब्धता व अंधविश्वास

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

के उच्च स्तर के संदर्भ में व्यवहार परिवर्तन आवश्यक है।

(7) फेक न्यूज के बढ़ते चलन के कारण कोविड-19 महामारी में फेक न्यूज पर नियंत्रण हेतु सोशल मीडिया के संतुलित उपयोग हेतु व्यवहार परिवर्तन आवश्यक है।

(b) भारत में वांछित व्यवहार के पालन में विभिन्न हितधारकों की भूमिका

① सरकार

→ व्यापक स्तर पर सूचना उपलब्ध कराई जा रही है व विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सामाजिक दूरी के साथ-2 आर्थिक गतिशीलता को बढ़ाना (PM केयर फंड)

② नागरिक समाज व NGOs

→ सरकार की भागीदारी में व पृथक रूप से व्यापक जनजागरूकता व आर्थिक लागत को वहनीयता में मदद

eg. दान व नागरिक परिवहन की अनौपचारिक व्यवस्था।

③ परिवारों की भूमिका

→ परिवार के स्तर पर स्वच्छता व सामाजिक दूरी के पालन में।

→ मानसिक तनाव को कम करने में भूमिका

④ स्थानीय सरकार:
→ कोविड -19 आपूर्ति श्रृंखला को बनाये रखने व स्थानीय जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका।

⑤ शिक्षण संस्था।
→ डिजिटल माध्यम से शिक्षा की अवस्था व अध्यापकों द्वारा जागरूकता फैलाने में

⑥ स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका
→ समर्पण की भावना के साथ चिकित्सा सेवा की अदायगी
→ चिकित्सकीय शर्तों की पालना।

⑦ कॉरपोरेट्स

→ ① CSR के माध्यम से वैक्सीन के विकास में सहायता।
② आर्थिक सहायता
eg. अजीम प्रेमजी ने कोविड में 22 cr/day के औसत से दान

⑧ अनुसंधान व वैज्ञानिकों की भूमिका
→ वैक्सीन के अनुसंधान व विकास में को बढ़ावा।

⑨ नौकरशाही की भूमिका
→ अनिश्चितताओं व अव्यवस्था के दौर में कानून व्यवस्था बनाये रखने में।

व्यवहार में परिवर्तन लाने के संदर्भ में चुनौतियां

1. सूचनाओं के प्रभावी प्रसार हेतु अवसंरचनात्मक अंतराल।
2. शिक्षा का निम्न स्तर व जागरूकता का अभाव।
3. गरीबी व आर्थिक असमानता स्वास्थ्य की अपेक्षा भोजन पर ध्यान केंद्रित करती है जिससे व्यवहार में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सकता।
4. समाज में संवेदनशीलता की कमी तथा धार्मिक कट्टरता
   eg. तब्लीगी जमात के संदर्भ में मीडिया की भूमिका।
5. फेक-न्यूज का बढ़ता स्तर व सोशल मीडिया नियंत्रण का अभाव।
6. कोविड-19 से संबंधित षड्यंत्रकारी सिद्धांत का प्रसारण।
7. प्रवास व रोजगार से संबंधित मुद्दे।
8. डिजिटल अर्थव्यवस्था का निम्न स्तर

Hence कोविड-19 की महामारी के संदर्भ में अपेक्षित बदलाव हेतु इन चुनौतियों का समुचित प्रबंधन किया जाना चाहिए।